ऑक्सीटोसिन शराब को बेअसर करता है

ऑक्सीटोसिन एक रसायन है जो हमारे मस्तिष्क में कुदरती तौर पर बनता है और माना जाता है कि यह समाजिक सम्बंधों के बनने बिगड़ने में अहम भूमिका निभाता है। मगर सिडनी विश्वविद्यालय के माइकल बोवेन ने इसी रसायन का एक विचित्र असर चूहों में देखा है।

जिन चूहों को ऑक्सीटोसिन की खुराक दी गई थी उन्हें शराब का नशा नहीं चढ़ा। ऑक्सीटोसिन की खुराक के बाद दारू पीने वाले चूहे ऐसे घूमते-फिरते और चौकन्ने रहे जैसे उन्होंने शराब पी ही नहीं हो।

इस असर की जांच एक और प्रयोग से की गई। कुछ चूहों को ऑक्सीटोसिन का इंजेक्शन सीधे दिमाग में दिया गया। उनके दिमाग में इंजेक्शन के ज़रिए जितना ऑक्सीटोसिन पहुंचाया गया वह प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले ऑक्सीटोसिन से डेढ़ लाख गुना ज़्यादा था। कुछ चूहों को वैसे ही रहने दिया गया। अब दोनों तरह के चूहों को दारू पिलाई गई और उनमें शारीरिक गतियों पर नियंत्रण तथा प्रतिक्रिया समय की जांच की गई। पता चला कि ऑक्सीटोसिन ने शराब के असर को एकदम बेअसर कर दिया था - हालांकि उन्हें जो शराब पिलाई गई थी वह एक इंसान के लिए डेढ़ बोतल वाइन के बराबर थी। बोवेन का कहना है जिन चूहों को ऑक्सीटोसिन और शराब दोनों मिले थे वे उन चूहों से अलग नहीं दिखे जिन्हें कुछ भी नहीं मिला था।

तो ऑक्सीटोसिन ऐसा क्या करता है? बात यह है कि दिमाग में शराब को जोड़ने के लिए एक ग्राही होता है - इसे गाबा ग्राही कहते हैं। इस ग्राही से जुड़कर ही शराब अपना रंग दिखाती है। बोवेन की टीम ने पाया कि ऑक्सीटोसिन इन ग्राहियों के दो हिस्सों से जुड़ जाता है जिसकी वजह से अल्कोहल वहां तक पहुंच ही नहीं पाता।

अलबत्ता, ऑक्सीटोसिन के इस असर की भी एक सीमा है। यदि और ज़्यादा शराब पिलाई जाए, तो ऑक्सीटोसिन वाले चूहे भी नशे में धुत हो जाते हैं। इसकी वजह यह है कि जब अल्कोहल एक सीमा से ज़्यादा होता है तो वह अन्य स्थानों पर जुड़ने लगता है।

ऐसा लगता है कि ऑक्सीटोसिन के इस विचित्र असर का फायदा लोग दारू पीकर भी नशे से मुक्त रहने में उठा सकते हैं। इसका मतलब शायद यह निकाला जाए कि यदि आप ऑक्सीटोसिन ले लेंगे तो नशा करने के लिए आपको ज़्यादा शराब पीना होगी।

मगर बोवेन के मुताबिक इस प्रक्रिया के अन्य उपयोग भी हो सकते हैं। उनके मुताबिक शराब का नशा निरस्त करने के अलावा ऑक्सीटोसिन शराब की खपत को घटाता भी है। इसकी मदद से आम तौर पर शराब के प्रति जो सहनशीलता पैदा होती है वह कम हो जाती है और शराब छोड़ने पर दिखने वाले लक्षण भी कम हो जाते हैं।

वैसे अभी इंसानों पर ऑक्सीटोसिन और अल्कोहल के सम्बंध को देखना बाकी है मगर बोवेन का ख्याल है कि इसका उपयोग शराब की लत छुड़ाने में हो सकता है। आगे वे इसी पर शोध करने का विचार रखते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***